



किट्टी पार्टी के बहाने मिला नया लंड- 3

“सेक्स इन अ होटल रूम का मजा मैंने एक अनजान आदमी के साथ लिया. वह आदमी बड़ा बांका मर्द था, देखते ही मेरी चूत गीली होने लगी थी उसके लंड के लिए!...”

Story By: (ro888ma)

Posted: Friday, May 3rd, 2024

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [किट्टी पार्टी के बहाने मिला नया लंड- 3](#)

किट्टी पार्टी के बहाने मिला नया लंड- 3

सेक्स इन अ होटल रूम का मजा मैंने एक अनजान आदमी के साथ लिया. वह आदमी बड़ा बांका मर्द था, देखते ही मेरी चूत गीली होने लगी थी उसके लंड के लिए!

कहानी के दूसरे भाग

गैर मर्द के साथ होटल के कमरे में

मैं आपने पढ़ा कि मैं और आंटी मोहित के साथ उसके होटल के कमरे में नंगी थी. हम दोनों उसका लंड चूस चुकी थी और अब मैं अपनी चूत में उसका लंड घुसवाना चाहती थी.

यह कहानी सुनें.

Sex In A Hotel Room

अब आगे सेक्स इन अ होटल रूम :

फिर कुछ देर ऐसे ही चलता रहा.

उसके बाद मोहित ने कहा- रोमा मुझे तेरी चूत चूसनी है.

चुदाई की मस्ती में अब तो और मोहित की टोन बदर रही थी जो चुदाई की मस्ती को और बढ़ा रही थी.

तो मोहित ने मुझे बेड के किनारे पर लिटा दिया और मेरी गांड के नीचे दो तकिये लगा दिए जिससे मेरी चूत कुछ ऊपर उठ गई।

मोहित मेरी चूत को चाटने लगा।

अब स्थिति कुछ ऐसी थी कि मैं तो बेड पर लेटी थी और मोहित घुटनों के बल खड़ा मेरी चूत चाट रहा था।

और उधर नीचे आंटी मोहित का लंड मुँह में लेकर चूस रही थी।

काफी देर मोहित ने ऐसे ही मेरी चूत चाटी.

फिर उसने कहा- रोमा, अब मैं नीचे लेट जाता हूँ, तुम मेरे लंड पर बैठो.

मोहित लेट गया.

मैं उसके ऊपर चढ़ी और अपनी चूत को उसके लंड के टोपे पर रखी कर धीरे धीरे लंड को चूत में लेते हुए बैठने लगी।

लंड को चूत में लेने पर मुझे कुछ दर्द भी हो रहा था क्योंकि मोहित का लंड कुछ ज्यादा ही मोटा था।

लेकिन साथ में मज़ा भी आ रहा था.

मोहित ने अपने दोनों हाथ से मेरे दोनों बूब्स को पकड़ लिया और उन्हें दबाने लगा।

अब मैं धीरे धीरे मोहित के लंड पर अपनी गांड उठा उठा कर कूदने लगी.

मोहित का लंड मेरी चूत में पूरा घुस गया था।

मोहित तो लेटा हुआ ही था तो आंटी आ कर मोहित के मुँह पर अपनी चूत लगा कर बैठ गई और मोहित आंटी की चूत चाटने लगा।

मुझे तो मोहित के लंड पर उछलते हुये चुदने में बहुत मज़ा आने लगा तो मेरे मुँह से चीखें निकलने लगी- उम्मह ... आहहहह ... हय ... आहहहह ... बहुत मज़ा आ रहा है मोहित जी!

मोहित- रोमा प्लीज़, मुझे मोहित जी कह कर मत बोलो, तुम सिर्फ मुझे मोहित बोल सकती हो।

मैं- ठीक है मोहित!

आंटी- मोहित, मैंने कई लंड देखे हैं, काले गोरे, छोटे, मोटे, लम्बे, पतले वगैरह वगैरह ... पर उन सबमें तुम्हारा लंड अलग ही है. यह इतना लम्बा, इतना मोटा, और इतना गोरा चिट्टा लंड है कि इससे पहले हमने ऐसा लंड नहीं देखे थे. क्यों रोमा, सही कह रही हूँ न मैं?

मैं- हाँ आंटी, आपने बिल्कुल सही कहा है।

आंटी- मोहित, तुमने कोई दवाई ली है क्या? यह इतना बड़ा, मोटा, और सख्त कैसे है? ऐसा लग रहा है कि यह हमारी चूत ही फाड़ देगा।

फिर मैं मोहित के उपर से नीचे उतर गई और पास पड़े तौलिये से मोहित के लंड पर जो मेरी चूत का जो पानी लगा हुआ था उसे साफ किया.

अब मोहित बेड के बीचों बीच लेटा हुआ था. उसके एक साइड में और दूसरी साइड आंटी बैठ गई और हम दोनों ने उसके लंड को पकड़ लिया और उससे खेलने लगी।

आंटी मोहित के लंड को हिलाती तो कभी चूसती!

मैं मोहित के अण्डकोष सहला रही थी.

उसके अण्डकोष भी काफी बड़े थे।

हम उसके लंड को देख कर पागल सी हुई जा रही थी।

उसका लंड इतना गोरा था कि लंड पर हल्के नीले रंग की फूली हुई नसें साफ दिखाई दे रही थी.

मोहित अपने लंड को अपने हाथ से पकड़ कर हल्के से हिलाते हुए मुस्कुरा कर कहने लगा- अगर मुझे पता होता कि आज इस तरह तुम दो हसीनाओं से इस तरह मेरी मुलाकात होगी तो जरूर मैं आज कुछ सेक्स की दवाई ले लेता। पर आज तुम मुझसे अचानक टकरा गई और अब रूम में हम इस तरह एक दूसरे के सामने नंगे हैं।

मैं- ओहूह मय गॉड! मोहित अभी तुमने कुछ दवाई नहीं खाई है तो तुम्हारे लंड का ये हाल है. अगर तुम कोई दवाई खा लोगे तो इस लंड का क्या होगा। पर यह जैसा भी है, बहुत ही प्यारा है।

मोहित बड़े प्यार से- अब यह जैसा भी है तुम दोनों रंडियों के लिए है. तुम दोनों पूरी रंडियां लग रही हो मुझे इस टाइम!

हमने मोहित को चौंक कर देखते हुए कहा- ये तुम कैसी बात कर रहे हो मोहित?

मोहित- अरे आप बुरा मत मानिये. चुदाई करते हुए ऐसी सेक्सी बातें करने में और गालियां देने में बहुत मज़ा आता है. इसलिए मैंने रंडी शब्द का प्रयोग कर लिया।

मैं- हाँ फिर ठीक है मोहित! हमें भी गालियों के साथ चुदने में मज़ा आता है. पर इस शब्द की तुमसे उम्मीद नहीं थी, इसलिए हम चौंक गयी थी।

फिर मैं मोहित के लंड को अपने हाथ में ले कर ऊपर नीचे कर के हिलाने लगी।

उसके लंड से भी एक अलग ही खुशबू आ रही थी।

मोहित ने कहा- चलो साथ में नहाते हैं।

इस पर मैं और आंटी तैयार हो गई और हम तीनों बाथरूम में आ गये।

बाथरूम में आकर मैं नीचे घुटनों के बल बैठ गई और मोहित के लंड के टोपे की त्वचा को हल्का सा पीछे की तो उसके लंड से हल्का हल्का चिपचिपा रस रिस रहा था. मैं उसे अपनी

जीभ से चाटने लगी।

इतने गोरे लंड से चुदने की मेरी बहुत तमन्ना थी जो आज पूरी हो रही थी.
मोहित का लंड इतना अच्छा साफ सुथरा था कि मेरा मन तो बार बार उसे चूसने का ही हो रहा था।

फिर जैसे ही मैंने मोहित के लंड का टोपा मुँह में लिया और उसे चूसने लगी तो मोहित के मुँह से अजीबोगरीब आवाजें निकलने लगी।

पर मुझे थोड़ा डर भी था कि मेरे इस तरह मोहित का लंड चूसने से कहीं वह झड़ न जाये।

उसका लंड था ही इतना प्यारा कि मैं अपने आप को रोक ही नहीं पा रही थी।
मुँह में लेकर इस तरह चूसने से मैं यह तो भूल ही गई कि थी अभी तो मुझे मोहित के लंड से और भी चुदाई करवानी है।

हम दोनों को ही बहुत मज़ा आ रहा था।

अब मोहित भी खड़े खड़े अपना लंड मेरे मुँह में आगे पीछे करके मेरे मुँह की चुदाई करने लगा।

वह मेरे मुँह में लंड इस तरह डाल रहा था कि लंड मेरे हलक तक जा रहा था।

जिससे कुछ सेकेण्ड के लिए मेरी साँसें तक रुकी जा रही थी।

ऊपर से मोहित गालियां भी देने लगा- ले साली रंडी चूस मेरे लौड़े को ... पूरा अंदर तक ले मादरचोद ... क्या मस्त चूस रही है! आह उहह ... आह ओहह हहहह!

उधर आंटी भी नीचे बैठ गई और मोहित के अंडकोष सहलाने लगी।

कुछ देर तक ऐसे ही लंड चूसने के बाद मोहित ने हमने पकड़ के खड़ा कर दिया और बोला-

चलो अब मैं तुम दोनों को और तुम दोनों मुझे नहलाओ।

यह कह कर मोहित ने पहले आंटी और मेरी चूत पर एक एक चुम्मी दी और फिर खड़े होकर हमरी बूब्स दबाने लगा।

इतने में ही बाहर आंटी का मोबाइल बजा तो आंटी बाथरूम से बाहर चली गई।

अब बाथरूम में मोहित और मैं अकेले थे.

मोहित बारी बारी से मेरे दोनों बूब्स को चूस रहा था जैसे वह मेरे बूब्स खा जाना चाहता हो।

फिर मोहित ने शॉवर चालू कर दिया और मेरे सारे बदन पर साबुन लगा दिया.

मैंने भी मोहित के सारे बदन पर साबुन लगाया और हम दोनों एक दूसरे से चिपक गए.

मोहित मेरे बूब्स, गांड और चूत के उभार से खेलने लगा और मैं मोहित के लंड से खेलने लगी।

कुछ देर तक हम दोनों एक दूसरे के शरीर से खेलते रहे, फिर हम दोनों शॉवर के नीचे खड़े हो गए जिससे सारा साबुन धुल गया।

फिर मोहित ने एक तौलिये से मेरे शरीर को पौछा और फिर मैंने उसके शरीर को पौछा.

तब मोहित ने मुझे अपने गोद में उठा लिया और बाथरूम से रूम में लाकर बेड पर लिटा दिया।

जब हम बाहर आये थे तो आंटी मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी।

मैंने उनसे इशारे में पूछा कि किसका फ़ोन है.

तो उन्होंने बताया कि अंकल का फ़ोन है. वे पूछ रहे हैं कि हम घर कब तक आयेंगे।

तब मैंने हसंते हुए कहा- आंटी, उन्हें बोल दीजिये कि हम अभी चुदाई करवा रही हैं. और आराम से चुद के आयेंगी।

आंटी ने फ़ोन कट किया और हम लोग जोर से हँसने लगे।

मोहित ने मुझे बेड पर लिटा दिया और मेरी दोनों टांगों को अपने कन्धों पर रख कर अपना मुँह मेरी चूत में लगा कर चूत को चाटने लगा।

वह इस तरह से चूत चाट रहा था कि वह मेरी चूत की क्लाइटोरिस को बार बार अपनी जीभ की नोक से कुरेद रहा हो.

इससे मेरी उत्तेजना बढ़ती जा रही थी और मैं मोहित का सर अपनी चूत पर दबा कर कह रही थी- चाट मोहित मेरी चूत को! अपनी जीभ से ही चोद दे मेरी चूत साले! और जोर जोर से कर!

मोहित के इस तरह मेरी चूत को अपने जीभ के नोक से चोदने से मैं झड़ गई। उसने सारा रस अपनी जीभ से ही चाट कर साफ किया।

फिर मोहित ने अपनी दो उँगलियों को अपने मुँह की लार से गीली कर के मेरी चूत में डाल दिया जिससे मैं और ज्यादा तड़पने लगी।

और इसमें भी कोई शक नहीं था कि मोहित ने कई औरतों को चोदा होगा तभी तो मोहित को यह अच्छे से पता था कि एक औरत को कैसे चोद कर संतुष्ट किया जाता है।

फिर मैंने मोहित से कहा- साले, चूत में डालना ही है तो अपना लंड डाल चूतिये! उँगलियां डालने से मेरा काम नहीं चलेगा। अब मुझ से और बर्दाश्त ही हो रहा है।

अब मोहित यह जान चुका था कि मैं उसके लंड से चुदवाने के लिए बेकरार हो गई हूँ.

तो उसने अपना लंड मेरी चूत पर रख दिया ।

उसका लंड चूत पर महसूस होते ही मैं फिर से तड़प उठी ।

मोहित ने धीरे धीरे लंड चूत में डालना शुरू किया ।

मुझे मीठा मीठा दर्द हो रहा था जो काफी आनंददायक था ।

मोहित के लंड का टोपा तो चूत में घुस चुका था.

आंटी ने मेरी गांड के नीचे दो तकिये लगा दिए जिससे मेरी चूत कुछ ऊपर उठ गई तो

मोहित को लंड चूत में डालने में आसानी होने लगी ।

तो उसने इक जोर के झटके के साथ अपना पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में घुसेड़ दिया और

मैं जोर से चिल्लाई- मर गई ... आहह हहह ... आउह हहह ... साले मादरचोद ... तूने तो

मेरी चूत ही फाड़ दिया आह !

आंटी मोहित के पीछे जाकर खड़ी हो गयी.

उन्होंने मोहित की गांड पर अपने दोनों हाथों को रख कर उसे सहलाने लगी ।

मोहित ने अब अपनी स्पीड बढ़ा दी ।

मुझे भी बहुत मज़ा आने लगा ।

चोदते चोदते मोहित झुक कर मेरे होंठों को अपने होंठों में ले कर चूमने लगा ।

मैं मज़े लेकर मोहित से चुद रही थी और मोहित भी जोर जोर के झटके मार मार के मुझे

चोद रहा था.

तभी आंटी मेरे बगल में आ कर बैठ गई ।

मैं आंटी को देख कुछ मुस्कराई और अपना हाथ उनकी चूत पर रख कर सहलाने लगी ।

अब मोहित अपने लंड को इतनी जोर जोर से मेरी चूत में पलने लगा कि उसका लंड जाकर मेरी बच्चेदानी से टकराने लगा।

उसके ऐसा करने से मेरी चीख निकल रही थी।

मैं मोहित को गालियां देने लगती और मोहित को अच्छे से चोदने के लिए उकसाने भी लगी।

मोहित जोर जोर से धक्के देकर मेरी चूत अपने तगड़े लंड से चोद रहा था.

उसके दोनों हाथ मेरे बूब्स को मसल रहे थे.

आंटी हम दोनों का सेक्स इन अ होटल रूम देख कर मुस्कुरा रही थी.

मोहित के इस तरह चोदने से मेरा तो रोम रोम चहक उठा था और मोहित की चुदाई की स्पीड और ज्यादा बढ़ रही थी।

पर अब हमारी इस तरह की चुदाई देख आंटी के चेहरे पर कुछ निराशा की झलक दिखने लगी कि मोहित इसी तरह अगर मुझे चोदता रहा तो कहीं वह झड़ न जाये।

मोहित ने भी आंटी के चेहरे के इस भाव को पढ़ लिया था.

उसने आंटी को अपनी ओर खींचा और उनके होंठों को चूमने लगा.

वह बोला- आंटी, आप चिंता मत करो. मैं रोमा को चोदने के चक्कर में आपको नहीं भूलूंगा। पर मैं भी क्या करूँ ... रोमा की चूत है ही इतनी प्यारी कि मैं अपने आप को रोक ही नहीं पा रहा हूँ।

प्रिय पाठको, सेक्स इन अ होटल रूम कहानी में आपको मजा आ रहा होगा ना!

कमेंट्स करते रहिये.

ro888ma@gmail.com

सेक्स इन अ होटल रूम कहानी का अगला भाग : किट्टी पार्टी के बहाने मिला नया लंड-

4

Other stories you may be interested in

किट्टी पार्टी के बहाने मिला नया लंड- 4

न्यूड आंटी सेक्स कहानी में मैं एक मर्द से चुद रही थी तो मेरी पड़ोसन आंटी को जलन हो रही थी, वे भी उस लंड से चुदना चाह रही थी. तो मैंने आंटी के लिए वहां से हट गई. कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

सास बहू बेटियों की खुल्लम खुल्ला चुदाई

X फैमिली फेक कहानी में निकाह के बाद मैंने देखा कि मेरी ननद मायके में किसी अनजान लंड से चुद रही थी. तभी ऊपर से उसकी अम्मी यानि मेरी सास आ गयी. तब क्या हुआ ? मेरा नाम रेशमा है दोस्तो. [...]

[Full Story >>>](#)

सविता भाभी का खुफिया मिशन

चोरों का एक गैंग रात को सुनसान सड़कों में महिलाओं को आतंकित करता रहता है। न केवल वे कीमती सामान और कार चुराते हैं बल्कि चोरी करके पीड़ितों के कपड़े भी छीनकर नंगा कर देते हैं! उन्होंने नदी में एक [...]

[Full Story >>>](#)

रणडी बनकर चुदने की चाहत

इंडियन स्ट्रीट सेक्स कहानी में मैं एक अनजान आदमी से चुद गयी सुनसान गली में दिन दिहाड़े! उसने मुझे रंडी समझा था तो मैं भी रंडी का रोल प्ले करने लगी. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मैं आप सबकी प्यारी दोस्त [...]

[Full Story >>>](#)

किट्टी पार्टी के बहाने मिला नया लंड- 2

मजेदार सेक्स लंड चूस कर किया मैंने और मेरी पड़ोसन आंटी ने एक रिसोर्ट के एक कमरे में एक अनजान मर्द के साथ. हम तीनों भीग गए थे तो कपड़े सुखाने कमरे में गए थे. यह कहानी सुनें. कहानी के [...]

[Full Story >>>](#)

